पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Established: 2004

'B++' Acredit-ed by NAAC (2022) with CGPA 2.96

New Syllabus For

Master of Arts (M. A. in Hindi)

UNDER

Faculty of Humanities

M. A. Part – II (Sem. – III & IV)

From 2024-25

STRUCTURE AND SYLLABUS IN ACCORDANCE WITH

NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020

HAVING CHOICE BASED CREDIT- SYSTEM

WITH MULTIPLE ENTRY AND MULTIPLE EXIT OPTIONS

(TO BE IMPLEMENTED FORM ACADEMIC YEAR 2024-25 ONWARDS)

M. A. – II Year Hindi Semester – III

एम. ए. द्वितीय वर्ष हिंदी सत्र – तृतीय

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy – 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

शैक्षिक वर्ष 2024-25 से

Level	Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			Credit-	Lecture	Total Com. Credit-s	Degree
				Theory		Total				
				U.A.	C.A.					
	Third (III)									
	Subject		Major **Mandatory**							
	DSC	9	हिंदी पद्य साहित्य(मध्यकालीन काव्य)	60	40		4.00	60		
	DSC	10	हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल एवं मध्यकाल)	60	40		4.00	60		
	DSC	11	भारतीय काव्यशास्त्र	60	40		4.00	60		
6.0	DSC	12	भाषा शिक्षण	30	20		2.00	30	22.00	PG Diploma (After3 Yr Degree)
	DSE	3.0	Mandatory Elective (Any One)							
		3.1	समकालीन विमर्श (किन्नर एवं किसान विमर्श)	60	40		4.00	60		
		3.2	कथेतर साहित्य(आत्मकथा एवं जीवनी)	60	40		4.00	60		
	RP(Research Project)	3.0	शोध परियोजना	60	40		4.00	60		

DSC - 9 Adhunik Hindi Padya Sahitya (Madhyakalin kavya)

M. A. - II Hindi Semester – III

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी पद्य साहित्य (मध्यकालीन काव्य)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना / Introduction

भारतीय साहित्य के विकास में मध्ययुगीन काव्य का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हिंदी साहित्य के मध्यकाल को स्वर्णयुग माना जाता है। यह भक्ति की महत्ता स्थापित करने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इसी समय संपूर्ण भारत में भक्ति आंदोलन की लहर शुरू हुई। हिंदी में कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा आदि के काव्य ने भक्ति आंदोलन को व्यापक बनाया। यह युग आम समाज के लिए कष्टप्रद था। मध्ययुगीन काव्य ने उनके भीतर चेतना और जीने की ऊर्जा निर्माण की। इस काव्य में भारतवर्ष का संपूर्ण जीवन दर्शन है। अहिंसा, प्रेम, करुणा, समन्वयशीलता, मानवता एवं समता आदि नैतिक मूल्यों की स्थापना इस काव्य का प्रतिपाद्य है। भक्ति की धारा के बीच कवि भूषण ने भी अपनी वीर रस की कविताओं से मध्ययुगीन इतिहास को सच्चाई से अभिव्यक्त किया है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objective):

1. भक्ति आन्दोलन एवं हिंदी केभक्तिकालीन काव्य परिचय देना।
2. कबीर,जायसी,भूषण और बिहारी की काव्य संवेदना से छात्र परिचित कराना।
3. मध्ययुगीन काव्य में अभिव्यक्त प्रेम, त्याग, करुणा, अहिंसा, समन्वयनशीलता, मानवता आदि मूल्यों से परिचित करना।
4. तत्कालीन भारतीय, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (course Learning Outcomes):

1. छात्र भक्ति आन्दोलन एवं हिंदी के भक्तिकालीन काव्य से परिचित होंगे।
2. कबीर, जायसी, भूषण और बिहारी की काव्य संवेदना से परिचित होंगे।
3. मध्ययुगीन काव्य में अभिव्यक्त प्रेम, त्याग, करुणा, अहिंसा, समन्वयनशीलता, मानवता आदि मूल्यों से परिचित होंगे।
4. तत्कालीन भारतीय, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया(Teaching Learning):

1. कक्षा व्याख्यान
2. समूह चर्चा

M. A. - II Hindi Semester – III

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –तृतीय

DSC - 9 Adhunik Hindi Padya Sahitya (Madhyakalin kavya)

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी पद्य साहित्य (मध्यकालीन काव्य)

(Credit- -Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्ययनार्थ विषय, पाठ्यपुस्तकें-

1. कबीरदास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

२. पद्मावत - कवि जायसी सं. आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी,सभा, वाराणसी

3. भूषण - भगवानदास तिवारी, साहित्य भवन, इलाहाबाद

4. बिहारी सतसई - कविवर बिहारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई- 1- कबीर **Credit - 1 Lecture -15**

१. पद क्र .160 से 180

२. कबीर की काव्य कला, समाज दर्शन, भक्ति भावना, भाषा

इकाई- 2 -जायसी **Credit - 1 Lecture -15**

१.मानसरोवर खंड

२.जायसी की काव्य कला, सौंदर्य चित्रण, प्रकृति चित्रण

इकाई – 3 – भूषण **Credit - 1 Lecture -15**

१.पद क्र .1 से 25

२. भूषण की काव्य कला, भाषा, वीर रस , समन्वय, राष्ट्रप्रेम, राजवंश वर्णन, शिवचरित्र

इकाई -4- बिहारी **Credit - 1 Lecture -15**

१.दोहे क्र .11 से 30

२.बिहारी का श्रृंगार वर्णन, सौंदर्य चित्रण, भाषा, रीतिकाल में बिहारी का स्थान

संदर्भ ग्रंथ –

१. कबीर दर्शन – अभिलाषदास, कबीर ग्रंथ संस्था, इलाहाबाद

२. जायसी कृत पद्मावत - डॉ. सुरजभान शर्मा, अनिता प्रकाशन, नई सडक दिल्ली

३. जायसी : एक विवेचन - देवराजसिंह भाटी, हिंदी साहित्य संसार, दिल्ली

४. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तिया – डॉ. जयकिसन प्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

५. रीति काव्यधारा- सं डॉ.रामचंद्र तिवारी,डॉ.रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
६. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-III	Name of the New Paper SEM-III
DSE 3.1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	DSE .9 हिंदी पद्य साहित्य (मध्यकालीन काव्य)

DSC - 10 Hindi Sahity Ka Itihas (Aadikal evm madhyakal)

M. A. - II Hindi Semester – III

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना /Introduction

किसी भी भाषा के समग्र लेखन परंपरा से अवगत होना हो, तो उसके इतिहास को समझना आवश्यक होता है। इससे भाषा साहित्य निर्मिति और प्रदीर्घ लेखन परंपरा की जानकारी की प्राप्त होती है। भाषा के साहित्यिक उतार-चढ़ाव से अवगत कराती है। साहित्य में विभिन्न विचार प्रवाह आते हैं, जो उस साहित्य की समृध्दि की इंगित करते हैं। हिंदी साहित्य की भी विशाल परंपरा है। जिसमें रासो साहित्य से लेकर वर्तमान काल का विधागत विस्तार हिंदी साहित्य की व्यापकता को दर्शाता है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि, आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course objective):

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व विशद कराना।
2. आदिकाल के दार्शनिक परिवेश का परिचय कराना।
3. हिंदी के आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य का परिचय कराना।
4. रीतिकालीन साहित्य एवं प्रवृत्तियों से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. छात्र हिंदी साहित्य के महत्व को समझेंगे।
2.आदिकाल के दार्शनिक परिवेश से छात्र परिचित होंगे ।
3. हिंदी के आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य से छात्र परिचित होंगे।
4. रीतिकालीन साहित्य एवं प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (Teaching Learning Process):

1.कक्षा व्याख्यान

2.समूह चर्चा

M. A. - II Hindi Semester – III

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –तृतीय

DSC - 10 Hindi Sahity Ka Itihas (Aadikal evm madyakal)

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)

(Credit- -Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्ययनार्थ विषय

इकाई । हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि **Credit-1 Lecture 15**

1. हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा

2. हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण

3. सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई II आदिकाल **Credit-1 Lecture 15**

1.आदिकाल का नामकरण

2.रासो शब्द की उत्पत्ति

3.रासो साहित्य का सामान्य परिचय – पृथ्वीराज रासो, बीसलदेव रासो, खुमान रासो, परमाल रासो

4.आदिकाल की विशेषताएं

इकाई III. भक्तिकाल **Credit-1 Lecture 15**

अ. भक्तिकाल- निर्गुण काव्य

1. भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक- सांस्कृतिक कारण
2. निर्गुण काव्यधारा की विशेषताएं
3. संत कबीर- ज्ञानाश्रयी काव्य की विशेषताएं
4. मलिक मुहम्मद जायसी - प्रेमाश्रयी काव्य की विशेषताएं
5. कवि परिचय - मंझन, कुतुबन

ब. भक्तिकाल - सगुण काव्य

1. सगुण काव्य धारा की विशेषताएं
2. संत तुलसीदास- राम भक्ति काव्य की विशेषताएं
3. सूरदास- कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताएं
4. प्रतिनिधि कवियों का परिचय – नंददास, रसखान

इकाई IV. रीतिकाल **Credit-1 Lecture 15**

1. 'रीति' शब्द का अर्थ एवं रीतिकाल का नामकरण
2. रीतिकालीन साहित्य की विशेषताएं
3. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त साहित्य की प्रवृत्तियां
4. कवि परिचय - आ. केशवदास, घनानंद

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं.नगेन्द्र, हरदयाल

3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह

4. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. माधव सोनटक्के

5. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ-डॉ. शिवकुमार शर्मा

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-III	Name of the New Paper SEM-III
DSC 3.1	हिंदी साहित्य का इतिहास	DSC -10 हिंदी साहित्य का इतिहास(आदिकाल एवं मध्यकाल)

DSC - 11 Bhartiy Kavyshatra

M. A. - II Hindi Semester – III

प्रश्नपत्र का नाम: भारतीय काव्यशास्त्र

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना /Introduction

किसी रचना के भाव, विचार एवं मूल्य उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। काव्यशास्त्र के अध्ययन से एक ऐसी दृष्टि विकसित होती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म एवं मूल्य को परखा जा सकता है। सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने और जाँच-परख के लिए काव्यशास्त्र का अध्ययन आवश्यक होता है। भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा प्राचीन है जिसका संस्कृत काव्यशास्त्र से अविर्भाव होता है। भरतमुनि का 'नाट्यशास्त्र 'इसका प्राचीनतम ग्रंथ माना जाता है। इसमें रस सिदधांत के बारे का विस्तार से विवेचन है। रस से लेकर औचित्य सिध्दांत तक भारतीय आचार्यों ने काव्य पर विस्तार से चिंतन किया है। इस चिंतन का परिपाक ही भारतीय काव्यशास्त्र का निचोड है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objective):

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकास से परिचित कराना।
2. संस्कृत आचार्यों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से अवगत कराना।
3. संस्कृत काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्रों को रू-ब-रू कराना।
4. काव्यशास्त्र को लेकर भारतीय चिन्तन को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकास से छात्र परिचित होंगे ।
2. संस्कृत आचार्यों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से छात्र परिचत होंगे II
3. संस्कृत काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्र परिचित होंगे ।
4. काव्यशास्त्र की भारतीय चिन्तन परम्परा को छात्र समझेंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (Teaching Learning Process):

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूह चर्चा

M. A. - II Hindi Semester – III

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –तृतीय

DSC - 11 Bhartiy Kavyshatra

प्रश्नपत्र का नाम: भारतीय काव्यशास्त्र

(Credit- -Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्यनार्थ विषय : भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई I भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम और रस सिध्दांत Credit-1 Lecture-15

1.भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम

2. रस परिभाषा एवं सिध्दांत

3. रस निष्पत्ति : भट्टलोलट-उत्पत्तिवाद, शंकुक-अनुमितिवाद, भट्टनायक-भुक्तिवाद तथा अभिनव गुप्त-अभिव्यक्तिवाद

4.रस के भेद

इकाई II अलंकार और रीति सिध्दांत Credit-1 Lecture-15

1.अलंकार का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप, भेद

3. अलंकार सम्प्रदाय की परम्परा

4. रीति शब्द का अर्थ एवं परिभाषा, सिध्दांत

5. रीति के आधारभूत तत्व , गुण और दोष, प्रकार

इकाई III ध्वनि और वक्रोक्ति सिध्दांत Credit-1 Lecture-15

1. ध्वनि की व्युत्पत्ति, परिभाषा और सिद्धांत

2. ध्वनि के भेद

3. वक्रोक्ति की परिभाषा एवं स्वरूप ,सिध्दांत

4. कुन्तक पूर्व वक्रोक्ति विचार

5. वक्रोक्ति के प्रमुख भेद

इकाई IV औचित्य सिध्दांत और हिंदी आलोचक Credit-1 Lecture-15

1.औचित्य की परिभाषा एवं स्वरूप, सिध्दांत

2. आचार्य क्षेमेंद्र पूर्व औचित्य विचार

3.औचित्य के भेद

4. हिंदी आलोचक आ. रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी और रामविलास शर्मा

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

2. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. तारक नाथ बाली

3. साहित्यशास्त्र - डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे, डॉ.नरसिंह प्रसाद दुबे

4. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र

5. भारतीय साहित्यशास्त्र खंड **1, 2 -** आचार्य बलदेव उपाध्याय

6. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेंद्र

7. साहित्य के प्रमुख सिध्दांत - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

8. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी

9. रस सिध्दांत: स्वरूप विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दिक्षीत

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4)	(12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2)	(12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1)	(12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 60

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-III	Name of the New Paper SEM-III
DSC 3.2	भारतीय काव्यशास्त्र	DSC -11 भारतीय काव्यशास्त्र

M. A. - II Hindi Semester – III

एम.ए. भाग -2 हिंदी सत्र –तृतीय

DSC-12 Bhasha Shikshan

प्रश्नपत्र का नाम :भाषा शिक्षण

प्रस्तावना / **Introduction**

साहित्य और शिक्षा का संबंध गहरा है। वस्तुतः इन दोनों का संबंध समाज की ज्ञान-प्रियता से है। हिंदी भाषा, साहित्य और शिक्षा के कारण सामाजिक, राष्ट्रीय वार्तालाप, सांस्कृतिकता का बोध होता है । भाषा-शिक्षा के कारण विभिन्न भाषा, आचार-विचार, नित-नई तकनीकी के अनुभव के कारण व्यावहारिक विश्व में समन्वय स्थापित होता है। आज बदलते युग में हिंदी को समझने एवं समझाने के लिए छात्रों को नए कौशलों के साथ –साथ नई शिक्षण विधियों से परिचित होना आवशक है। जिससे वह शिक्षण प्रक्रिया में खुद को पिछड़ा महसूस न करें। इस पाठ्यक्रम में यह कोशिश की है की आप हिंदी की आधुनिक शिक्षण विधियों परिचित होकर आगे कक्षा में आसान तरीके से हिंदी आध्यापन करें और हिंदी को समझे।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course objective):

1. हिंदी भाषा और शिक्षण के प्रति छात्रों की रूचि बढ़ाना।
2. भाषा-शिक्षा से सामाजिक,सांस्कृतिक,वैश्विक विविधता से परिचित कराना।
3. हिंदी की भाषा-शैक्षिक प्रक्रिया से अवगत करना।
4. भाषाई कौशल से अवगत करना ।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. हिंदी भाषा और शिक्षण के प्रति छात्रों को रूचि उत्पन्न होगी ।
2. भाषा-शिक्षा से सामाजिक, सांस्कृतिक, वैश्विक विविधता से परिचित होंगे ।
3. हिंदीकी भाषा-शैक्षिक प्रक्रिया से अवगत होंगे ।
4. भाषाई कौशल से अवगत होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया(**Teaching Learning Process):**

1. कक्षा व्याख्यान
2. समूह चर्चा

M. A. - II Hindi Semester – III

एम.ए. भाग-2 हिंदी सत्र –तृतीय

DSC-12 Bhasha Shikshan

प्रश्नपत्र का नाम :भाषा शिक्षण

(Credit- -Theory – 2 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 30

इकाई I भाषा-शिक्षण के विविध आयाम Credit-1 Lecture 15

1.भाषा, मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में हिंदी

2.भाषा-शिक्षण (language Teaching) अर्थ , परिभाषा एवं महत्व

3.भाषा-शिक्षण की प्रविधियाँ- व्याकरण-अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि

४.प्राकृतिक विधि, संप्रेषणात्मक और आलोचनात्मक विधि

इकाई II हिंदी भाषा-शिक्षण के विभिन्न पक्ष Credit-1 Lecture 15

1.**कौशल शिक्षण:** श्रवण एवं उच्चारण, वाचन, लेखन: लिपि वर्तनी एवं पाठ अनुच्छेद,व्याकरणिक संरचना

2. **गद्य एवं पद्य पाठों एवं संबंधित विधाओं का शिक्षण-**कविता, कहानी, निबंध एवं नाटक

3**. भाषा- मूल्यांकन तथा परीक्षण** की संकल्पना,भाषा-परीक्षण के कार्य, मूल्यांकन के प्रकार

4. **भाषाई कौशल का परीक्षण:** श्रवण, भाषण,वाचन,लेखन अन्य रूप,

संदर्भ ग्रंथ:

1. भाषा-शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी भाषा -भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
3. हिंदी भाषा शिक्षण- राम शकल पाण्डेय, विनोद पुस्तक मंदीर, आगरा
4. हिंदी भाषा शिक्षण –डॉ.सदानंद भोसले, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भाषा शिक्षण –प्रतिमा, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
6.भषा शिक्षण के विविध आयाम –लालचंद राम, विश्व ज्ञान प्रकाशन, नई दिल्ली
7.भाषा एवं भाषा शिक्षण खंड -2 –संपा.रमाकांत अग्निहोत्री, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

<u>प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन</u>

1.छह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(6 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2)	(6 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1)	(6 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1)	(12 अंक)

कुल अंक = 30

DSE 3.2: **Samkalin Vimarsh (Kinnar Vimarsh Evm Kisan Vimarsh)**

M. A. - II Hindi Semester – III

प्रश्नपत्र नाम :समकालीन विमर्श :किन्नर एवं किसान विमर्श)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना **(Introduction)**

मनुष्य 'विकास' का अनुगामी निरंतर रहा है। विकास के इस पथ पर मनुष्य ने भौतिक विकास के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास को अहमियत देकर आदिम से अधुनातन मनुष्य बनने की यात्रा सफलतापूर्वक पार की हुई दिखाई देती है। मनुष्य की इस यात्रा में 'समाज' एक अभिन्न और आवश्यक तत्त्व विद्यमान रहा है। समाज की परिकल्पना में अनेक विविधताओं ने मनुष्य को 'सामाजिक' बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इसी सामाजिकता की कड़ी में और 'सर्वसमावेशिता' की बुनियाद पर आज के दौर में विकास से कोसों दूर अभावग्रस्त जिंदगी जीने के लिए मजबूर किन्नर एवं किसान वर्ग अपने अस्तित्व की जमीं तलाश रहा है। विकास की पारिकल्पना बहुत व्यापक एवं निरंतर है। अतः इस दृष्टि से विचार करें तो स्पष्ट है कि, वर्तमान समय में समाज का एक तिरस्कृत वर्ग- 'किन्नर' है तो दूसरा समाज का एक अनिवार्य वर्ग- 'किसान' है जो विकास की परिभाषा में आईसीयू (गंभीर चिकित्सा इकाई) की जिंदगी काट रहा है।

विशिष्ट समुदाय एवं वर्ग के हक़ एवं अस्तित्व की गुहार को आज के दौर में विभिन्न विमर्शों के माध्यम से मुखरित किया जा रहा है। हिंदी साहित्य में इसे ही 'समकालीन विमर्श' के नाम से जाना जाता है। विभिन्न विमर्शों में से 'किन्नर विमर्श' एवं 'किसान विमर्श' को इस प्रश्नपत्र के माध्यम से स्नातकोत्तर छात्रों को अवगत कराया जा रहा है। इससे छात्र उपेक्षित समुदाय के दुःख-दर्द से पाठक अभिभूत हो जाएगा और प्रस्तुत पाठ्यक्रम सर्वसमावेशकता(inclusive) की भूमि को पुष्टि प्रदान करेगा।

- **पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Objective of the Course) :**

1. हिंदी उपन्यास साहित्य की नव विचारधाराओं का परिचय कराना।
2. किन्नर विमर्श से छात्रों को परिचित कराना।
3. किसान विमर्श से छात्रों को परिचित कराना।
4. सामाजिक पीड़ा का छात्रों को अवलोकन कराना।

- **पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcome) :**

1. हिंदी उपन्यास विधा की नव विचारधाराओं से छात्र परिचित होंगे।
2. किन्नर विमर्श से छात्र परिचित होंगे।
3. किसान विमर्श से छात्र परिचित होंगे।
4. सामाजिक पीड़ा की अनुभूति प्राप्त होगी।

- **शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (Teaching Learning Process) :**

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. उपन्यास मंचन

M. A. - II Hindi Semester – III

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –तृतीय

DSE 3.2: **Samkalin Vimarsh (Kinnar Vimarsh Evm Kisan Vimarsh)**

प्रश्नपत्र नाम :समकालीन विमर्श : किन्नर विमर्श एवं किसान विमर्श

(Credit- -Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्ययनार्थ पाठ्यपुस्तकें –

1**. तीसरी ताली**- प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2011

2. ढलती साँझ का सूरज- मधु कांकरिया, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज-2022

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :-

इकाई 1 : किन्नर विमर्श **Credit-1 Lecture-15**

1. अवधारणा एवं व्याप्ति
2. उद्भव एवं विकास
3. विशेषताएँ

इकाई 2 : तीसरी ताली (उपन्यास) – प्रदीप सौरभ **Credit-1 Lecture-15**

1. प्रदीप सौरभ : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. तीसरी ताली : उपन्यास के तत्त्व
3. तीसरी ताली : उपन्यास की विशेषताएँ
4. तीसरी ताली : किन्नर विमर्श

इकाई 3 : किसान विमर्श **Credit-1 Lecture-15**

1. अवधारणा एवं व्याप्ति
2. उद्भव और विकास
3. विशेषताएँ

इकाई 4 : ढलती साँझ का सूरज (उपन्यास) – मधु कांकरिया **Credit-1 Lecture-15**

1. मधु कांकरिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. ढलती साँझ का सूरज : उपन्यास के तत्त्व
3. ढलती साँझ का सूरज : उपन्यास की विशेषताएँ
4. ढलती साँझ का सूरज : किसान विमर्श

संदर्भ ग्रंथ :

1. संपा. डॉ.फिरोज खान, थर्ड जेंडर : अतीत और वर्तमान (भाग 1,2,3), विकास प्रकाशन, कानपुर-2018
2. पार्वती कुमारी, किन्नर समाज संदर्भ – तीसरी ताली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – 2019
3. अकरम हुसैन, किन्नर विमर्श के उपन्यासों का समीक्षात्मक विश्लेषण, वाङ्मय हिंदी पत्रिका, अलिगढ़
4. गोपाल राय, उपन्यास की संरचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली- 2010

5. डॉ.ए.एन.तिवारी, समाजशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत, अध्ययन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली- 2011
6. महात्मा जोतिबा फुले, गुलामगिरी. किसान का कोड़ा, इशारा, सत्सर, जेनरिक बुक्स, ऑनलाइन Amazon,2021
7. संपा. मनु गौतम, भारत में कृषि : संकट और संभावनाएँ, रावत पब्लिकेशन,नई दिल्ली-2021
8. https://m.sahityakunj.net/entries/view/vimarsh-ki-vicharparak-aalochana-third-gender-atiit-aur-vartman-bhag123
9. https://rishabhuvach.blogspot.com/2018/
10. https://www.apnimaati.com/2017/11/blog-post_72.html
11. https://kushraaz.blogspot.com/2019/10/blog-post_27.

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4)	(12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2)	(12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1)	(12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 60

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-III	Name of the New Paper SEM-III
DSE 3.2	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	समकालीन विमर्श – किन्नर विमर्श,किसान विमर्श

DSE 3.3 -Hindi Kathetar Sahitya

M. A. - II Hindi Semester – III

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य :आत्मकथा एवं जीवनी

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना **(Introduction) :**

संवेदनशील व्यक्ति की मानसिक या वैचारिक प्रतिक्रिया जब शब्दरूप में तथा पूर्ण कलात्मकता के साथ अभिव्यक्त होती है तब उसे साहित्य कहा जाता है। साहित्य के गद्य तथा पद्य दो मुख्य प्रकार है। गद्य को भी कथात्मक तथा कथेतर गद्य के रूप में विभाजित किया जा सकता है। कथेतर साहित्य का संबंध भी मनुष्य की अनुभूतियों और संवेदनाओं से होता है किंतु उसमें कथात्म साहित्य की तरह कोई कहानी और उसकी कथावस्तु नहीं होती। कहानी, उपन्यास, नाटक और एकांकी यथार्थ पर आधारित काल्पनिक रचनाएँ होती है किंतु कथेतर साहित्य का आधार ठोस यथार्थ ही होता है। इसी कारण कभी-कभी ऐसी रचनाएँ साहित्य के सीमान्तपार खडी नजर आती है। उनमें सृजन का तत्व उस रूप में नहीं दिखाई देता है, जिस रूप में वह कविता या अन्य कथात्म साहित्य रूपों में दिखाई देता है। कुछ साहित्य प्रकार ऐसे होते हैं , जिनमें कथा नहीं होती। उनमें प्रत्यक्ष जीवन में मिलनेवाले व्यक्तियों के अनुभव होते हैं, उनका चरित्र चित्रण होता है, उनके जीवन का विस्तार से विवेचन होता है तो वह जीवनी का रूप धारण करता है और जब लेखक अपने जीवनानुभवों को स्वयं लिखता है तो वह आत्मकथा का रूप धारण करता है। विद्यार्थियों को कथेतर साहित्य के अध्ययन से महानुभावों का अनुभव प्राप्त होकर कर जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में सहायक होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective) :

1.छात्रों को आत्मकथा विधा को समझाते हुए उसके उद्भव और विकास से अवगत कराना।

2. छात्रों को जीवनी विधा को समझाते हुए उसके उद्भव और विकास से अवगत कराना।

3. छात्रों को मन्नू भंडारी द्वारा रचित 'एक कहानी यह भी' आत्मकथा से परिचित कराना।

4. छात्रों को विष्णु प्रभाकर द्वारा रचित 'आवारा मसीहा' जीवनी से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes) :

1. छात्र आत्मकथा विधा को समझते हुए उसके उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

2. छात्र जीवनी विधा को समझते हुए उसके उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

3. छात्र मन्नू भंडारी द्वारा रचित 'एक कहानी यह भी' आत्मकथा से परिचित होंगे।

4. छात्रों को विष्णु प्रभाकर द्वारा रचित 'आवारा मसीहा' जीवनी से परिचित होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (Teaching Learning Process) :

1 कक्षा व्याख्यान।

2 सामूहिक चर्चा।

3 विशेष अतिथि व्याख्यान।

M. A. - II Hindi Semester – III

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –तृतीय

DSE 3.3 -Hindi Kathetar Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य :आत्मकथा एवं जीवनी

(Credit- -Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्ययनार्थ विषय :

पाठ्यपुस्तकें-

1.एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण

2.आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण

इकाई : I – हिंदी आत्मकथा **Credit-1 Lecture-15**

1. हिंदी कथेतर साहित्य
2. हिंदी आत्मकथा: स्वरूप एवं तत्व
3. हिंदी आत्मकथा: उद्भव एवं विकास

इकाई : II – एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी **Credit-1 Lecture-15**

1. मन्नू भंडारी का साहित्यिक परिचय
2 . 'एक कहानी यह भी' आत्मकथा की वस्तुविन्यास
3. 'एक कहानी यह भी' में अभिव्यक्त स्त्री स्वर
4. 'एक कहानी यह भी' शिल्प एवं उद्देश्य

इकाई – III – जीवनी की अवधारणा **Credit-1 Lecture-15**

1. जीवनी: स्वरूप एवं तत्व
2. जीवनी**:** उद्भव एवं विकास

3.जीवनी और आत्मकथा में अंतर

इकाई – IV - आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर **Credit-1 Lecture-15**

1. विष्णु प्रभाकर का साहित्यिक परिचय
2. 'आवारा मसीहा' जीवनी की वस्तुविन्यास
3. 'आवारा मसीहा' जीवनी में परिवेश एवं चरित्र सृष्टि
4. 'आवारा मसीहा' जीवनी में भाषाशैली एवं उद्देश्य

संदर्भ ग्रंथ सूची: -

1 हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

2 गद्य के विविध रूप – सं . माजद असद , ग्रंथ अकादमी , नई दिल्ली

3 हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास – डॉ. तारकनाथ बाली

4 हिंदी कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग – प्र. सं. दयानिधि मिश्र , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-III	Name of the New Paper SEM-III
OET3.1,2	साहित्य मीमांसा ,फिल्म मीमांसा	DSE 3.3 हिंदी कथेतर साहित्य:आत्मकथा एवं जीवनी

RP 3 - Research Project

M. A. - II Hindi Semester – III

प्रश्नपत्र का नाम : शोध परियोजना

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना (Introduction):

शोध परियोजना का उद्देश्य अनुसंधान परिवेश का निर्माण तथा छात्रों में अनुसंधान वृत्ति का विकास करना है। कोई भी शोध समस्याओं का समाधान ढूँढने में मार्गदर्शन करता है। इसके साथ ही सामाजिक समस्याओं को समझने तथा उनका विश्लेषण करने में भी सहायक होता है। शोध नई विचारधारा और दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो समाज में बदलाव और विकास के मार्गदर्शन में मदद करता है। इसमें विभिन्न तकनीकों और विधियों का उपयोग करके विषय के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जाता है, जिससे छात्रों को नई जानकारी प्राप्त होती है। शोध परियोजना का मुख्य उद्देश्य नये और मौलिक विचारों को प्रस्तुत करना होता है। इसके साथ ही शोधोपयोगी और प्रभावी समाधानों की खोज करने में सहायता होती है, जो समस्याओं के समाधान में सहायता प्रदान करती हैं। अनुसंधान के माध्यम से लोगों की मानसिकता और विचारों को समझा जा सकता है तथा समस्या को विभिन्न परिप्रेक्ष्य से देखने की दृष्टि प्राप्त होती है। प्रत्यक्ष रूप से शोध परियोजना पर काम करने से पहले उसकी पद्धति और रुपरेखा समझना आवश्यक है। शोध के सोपानों में शोध की परिकल्पना और शोध की रुपरेखा का महत्त्वपूर्ण स्थान हैI साथ शोध के विषय के अनुसार शोध पद्धतियों को अपनाना पड़ता हैI यथाप्रसंग सामग्री संकलन, वर्गीकरण, सर्वेक्षण और साक्षात्कार लेने का कौशल होना भी आवश्यक है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Obejective of the Course):

1. छात्रों में अनुसंधान वृत्ति का विकास करना।
2. अनुसंधान के बारे में सैद्धांतिक जानकारी देना।
3. अनुसंधान के सोपानों से परिचित कराना।
4. विभिन्न अनुसंधान पद्धतियों की जानकारी देना।
5. शोध आलेख (रिसर्च पेपर) लेखन की जानकारी देना।
6. शोध की रुपरेखा तैयार करने की जानकारी देना।
7. भाषा सर्वेक्षण से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. छात्रों को अनुसंधान के बारे में सैद्धांतिक जानकारी मिलेगी।
2. अनुसंधानात्मक वृत्ति का विकास होगा।
3. शोध के सोपानों से परिचित होंगे।
4. शोध की रुपरेखा बनाने का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. शोध आलेख लेखन की प्रविधि से परिचित होंगे।
6. साक्षात्कार कला से परिचित होंगे।
7. भाषा सर्वेक्षण से अवगत होंगे।

शिक्षा विधि (Pedagogy):

विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य विधि ।

परीक्षण एवं मूल्यांकन बाह्य परीक्षक के द्वारा अनिवार्यतः करना होगा। बाह्य परीक्षक अन्य महाविद्यालय का होगा। छात्र को बाह्य परीक्षक के सम्मुख मौखिकी/ प्रस्तुति देनी होगी।

M. A. - II Hindi Semester – III

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –तृतीय

RP 3 - Research Project

प्रश्नपत्र का नाम : शोध परियोजना

(Credit- -Theory - 0 Practical -4)

Total Practical Work: - 60

पाठ्य विषय

1. शोध प्रबंध की रुपरेखा तैयार करना।इसी रुपरेखा पर चतुर्थ सत्र में शोध प्रबंध का लेखन करना होगा। (किसी एक विषय पर कम से कम दस पन्नों में रुपरेखा तैयार करना।)
2. शोध आलेख तैयार करना तथा महाविद्यालय स्तर पर शोध संगोष्ठी का आयोजन कर शोध आलेख का प्रस्तुतकरण करना। महाविद्यालय या विश्विद्यालय स्तर पर शोध आलेख का प्रकाशन करना। (किसी विषय पर कम से कम दस पन्नों में शोध आलेख तैयार करना।)
3. किसी लेखक, अध्यापक, नेता, समाजसेवी, कलाकार, खिलाडी, किसान आदि का साक्षात्कार लेना। (कम से कम दस पन्नों में साक्षात्कार तैयार करना।)
4. भाषा सर्वेक्षण (हिंदी भाषा के प्रयोग को लेकर शैक्षिक संस्थान या सरकारी दफ्तरों में प्रयुक्त हिंदी भाषा का सर्वेक्षण करना।)

अंक विभाजन

शोध प्रबंध की रुपरेखा	15 अंक
शोध आलेख लेखन	15 अंक
साक्षात्कार	15 अंक
भाषा सर्वेक्षण	15 अंक
प्रस्तुतिकरण	40 अंक

संदर्भ ग्रंथ:

1. शोध सन्दर्भ - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल/डॉ. मीना अग्रवाल, हिंदी साहित्य निकेतन,बिजनौर
2. शोध संदर्भ कोश- संपा.पांडुरंग पाटील ,महाराष्ट्र हिंदी परिषद, कोल्हापुर
3. शोध प्रविधि - विनय मोहन शर्मा, नेशनल पेपर बैक्स, दिल्ली
4. तुलनात्मक साहित्य, विश्व संस्कृति और भाषाएँ डॉ. के. सी. सीतालक्ष्मी, अमन प्रकाशन,कानपुर
5. शोध संस्कृति - डॉ. संजय नवले, अमन प्रकाशन, कानपुर
6. शोध और समीक्षा - सुरेशचन्द्र गुप्त, रविन्द्र प्रकाशन, ग्वालियर
7. अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया- एम. एन. गणेशन लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

M. A. – II Year Hindi Semester – IV

एम. ए. द्वितीय वर्ष हिंदी सत्र – चतुर्थ

(Cho|ce Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

Nat|onal Educat|on Pol|cy – 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

शै. वर्ष 2024-25 से

Level	Semester	Code	T|tle of the Paper	Semester Exam			Credit-	Lecture	Total Com. Credit-s	Degree
				Theory		Total				
				U.A.	C.A.					
6.0	**Fourth (IV)**								24.00	PG D|ploma (After3 Yr Degree)
	Subject		Major **Mandatory**							
	DSC	13	हिंदी पद्य साहित्य (आधुनिक काव्य)	60	40		4.00	60		
	DSC	14	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	60	40		4.00	60		
	DSC	15	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	60	40		4.00	60		
	DSE	4.0	Mandatory ElectIVe (Any One)							
		4.1	समकालीन विमर्श (वृद्ध एवं अल्पसंख्यांक)	60	40		4.00	60		
		4.2	कथेतर साहित्य (यात्रा वृत्तांत एवं संस्मरण साहित्य)	60	40		4.00	60		
	RP(Research Project)	4.0	लघु शोध प्रबंध		150		6.00	80		

DSE 13 Hindi Padya Sahltya (Adhunlk Kavya)

M. A. - II Hindi Semester – IV

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी पद्य साहित्य (आधुनिक काव्य)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना / **Introduction**

आधुनिक हिंदी काव्य जनजागरण, नई चेतना एवं गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ है। आधुनिक गतिशील जीवन एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ साथ राष्ट्रीय चेतना एवं समाज सुधार उसके केंद्र में हैं। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध से अब तक समाज जीवन की समस्त भावनाओं एवं संवेदनाओं को आधुनिक कविता व्यक्त करती है। विभिन्न धाराओं में प्रवाहित हिंदी कविता प्रेरणा एवं ऊर्जा का स्रोत रही है। अतः मानव संवेदना एवं ज्ञान क्षितिज के विस्तार हेतु इस काव्य का अध्ययन अत्यंत उपयोगी ही नहीं अपितु प्रासंगिक भी है।

पाठ्यकम के उद्देश्य / Course objectIVe

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता से परिचित कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य के अध्ययन, आस्वादन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसित कराना।
3. छात्रों को काव्य संवेदना और शिल्पगत अध्ययन से अवगत कराना।
4. छात्रों में हिंदी कविता के प्रति जाग्रति निर्माण कराना।

पाठ्यकम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र आधुनिक हिंदी कविता से परिचित होंगे।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य के अध्ययन, आस्वादन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसित होगी।
3. छात्रों में कविता के कथ्य एवं शिल्पगत अध्ययन करने की क्षमता विकसित होगी।
4. छात्रों में हिंदी कविता के प्रति रूचि निर्माण होगी।

शिक्षण अधिगम प्रकिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. समूह चर्चा
3. विश्लेषण विधि
4. कविता पठन एवं प्रस्तुति

M. A. - II Hindi Semester – IV

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –चतुर्थ

DSE 13 Hindi Padya Sahltya (Adhunlk Kavya)

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी पद्य साहित्य (आधुनिक काव्य)

(Credit- -Theory - 4 Practlcal - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्ययनार्थ विषय:-

इकाई। रामधारीसिंह 'दिनकर'- रश्मिरथी **Credit-1 Lecture-15**

- रश्मिरथी (तृतीय सर्ग)
- रश्मिरथी काव्य की संवेदना
- कृष्ण की चेतावनी
- कर्ण की मनोदशा

इकाई II सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – कुकुरमुत्ता, नागार्जुन – प्रेत का बयान **Credit-1 Lecture-15**

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' - कुकुरमुत्ता

- वर्ग संघर्ष
- प्रगतिवादी चेतना

नागार्जुन – प्रेत का बयान

- समाज का वास्तव दर्शन
- सर्वहारा वर्ग की स्थिति

इकाई III निर्मला पुतुल **Credit-1 Lecture-15**

- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा
- मेरे एकांत का प्रवेश द्वार

इकाई IV मंचीय कविता **Credit-1 Lecture-15**

- हरिवंश राय बच्चन – अग्निपथ
- कुमार विश्वास - पेन की नोक पर

संदर्भ ग्रंथ :-

1. नागार्जुन-प्रतिनिधि कविताएँ-सं. नामवर सिंह
2. नगाड़े की तरह बजाते शब्द – निर्मला पुतुल
3. बच्चन के लोकप्रिय गीत – हरिवंश राय बच्चन
4. फिर मेरी याद – कुमार विश्वास
5. समकालीन प्रतिनिधि कवि-अनंतकीर्ति तिवारी
6. रश्मिरथी -रामधारीसिंह दिनकर

7. निराला संचयिता -रमेशचंद्र शाह

8. https://www.rekhta.org/poets/lata-haya/all?lang=hl

9. https://www.hlndwl.org/poets/nlrmala-putul/kavlta

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

EquIValent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper SEM-III	Name of the New Paper SEM-III
		DSE 13 हिंदी पद्य साहित्य (आधुनिक काव्य)

DSC - 14 Hindi Sahitya Ka Ithihas (Adhunik kal)

M. A. - I Hindi Semester – III

प्रश्नपत्र का नाम: हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना **Introduction**

किसी भी भाषा के समग्र लेखन परंपरा से अवगत होना है, तो उसके इतिहास को समझना आवश्यक होता है। इससे भाषा साहित्य निर्मिति की और प्रदीर्घ लेखन परंपरा की जानकारी प्राप्त होती है। जो उस भाषा के साहित्यिक उतार-चढ़ाव से अवगत कराती है। साहित्य में विभिन्न विचार प्रवाह आते हैं, जो उस साहित्य समृध्दि को इंगित करते हैं। हिंदी साहित्य की भी विशाल परंपरा है। जिसमें रासो साहित्य से लेकर वर्तमान काल का विधागत विस्तार हिंदी साहित्य की व्यापकता को दर्शाता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objectIVe

1. आधुनिक कालीन विभिन्न दर्शनों से परिचित कराना।
2. हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
3. हिंदी पद्य के विभिन्न काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
4. विभिन्न विमर्शों का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. आधुनिक कालीन विभिन्न दर्शनों से परिचित होंगे ।
2. हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे ।
3. छात्र हिंदी पद्य के विभिन्न काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे ।
4. विभिन्न विमर्शों से परिचित होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. समूह चर्चा

M.A. II Hindi Semester - IV

एम भाग.ए.- २ हिंदी चतुर्थ सत्र

DSC - 14 Hindi Sahitya Ka Ithihas (Adhunik kal)

प्रश्नपत्र का नाम :- हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(Credit- -Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्ययनार्थ विषय –

इकाई । आधुनिक काल **Credit-1 Lecture 15**

1. आधुनिक काल का दार्शनिक परिवेश- गांधीवाद, फुले-आंबेडकरवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद ।
2. भारतेंदु युग, परिचय, प्रतिनिधि कवि एवं विशेषताएं
3. द्विवेदी युग परिचय, प्रतिनिधि कवि एवं विशेषताएं

इकाई ॥ हिंदी पद्य काव्य **Credit-1 Lecture 15**

1. छायावादी काव्य परिचय, प्रतिनिधि कवि एवं विशेषताएं
2. प्रगतिवादी काव्य परिचय, प्रतिनिधि कवि एवं विशेषताएं
3. प्रयोगवादी काव्य परिचय, प्रतिनिधि कवि एवं विशेषताएं

इकाई III हिंदी गद्य विधाओं का परिचय **Credit-1 Lecture 15**

1. हिंदी कहानी उद्भव और विकास
2. हिंदी एकांकी उद्भव और विकास
3. हिंदी निबंध उद्भव और विकास
4. हिंदी कथेतर साहित्य- संस्मरण, रिपोर्ताज।

इकाई IV आधुनिक हिंदी साहित्य: विविध विमर्श **Credit-1 Lecture 15**

1. स्त्री विमर्श
2. दलित विमर्श
3. आदिवासी विमर्श

संदर्भ ग्रंथ:-

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह
2. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. माधव सोनटक्के
3. हिंदी साहित्य की युग और प्रवृत्तियाँ डॉ. शिवकुमार शर्मा
4. हिंदी साहित्य का सही इतिहास-डॉ. चंद्रभानु सोनवणे

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4)	(12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2)	(12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1)	(12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

कुल अंक = 60

DSC-15 Pashchatya Kavyashatra

M. A. - I Hindi Semester – IV

प्रश्नपत्र का नाम: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना Introduction

किसी रचना के भाव, विचार एवं मूल्य उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। काव्यशास्त्र के अध्ययन से एक ऐसी दृष्टि विकसित होती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म एवं मूल्य को परखा जा सकता है। सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने के लिए काव्यशास्त्र का ज्ञान हो तो रसानुभूति से होती है। काव्यशास्त्र को लेकर जिस प्रकार से भारतीय आचार्यों ने विस्तार से चिंतन किया है। उसी भांति पाश्चात्य जगत में भी व्यापक पैमाने पर चिंतन हुआ है। तृतीय सत्र में हमने भारतीय चिंतन को पढ़ा परंतु पाश्चात्य चिंतक काव्यशास्त्र को लेकर क्या विचार रखते हैं, इस बात का अवलोकन प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य Course objectve

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र क इतिहास से परिचित कराना।
2. पाश्चात्य चिन्तकों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से अवगत कराना।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्रों को रू-ब-रू कराना।
4. काव्यशास्त्र को लेकर पाश्चात्य चिन्तन से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम Course Learning Outcomes

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास से परिचित होते है।
2. पाश्चात्य चिन्तकों और उनके द्वारा स्थापित सिध्दांतों से अवगत हो जाते है।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांतों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से छात्र रूबरू होते है।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के माध्यम से पाश्चात्य चिन्तन से परिचय प्राप्त करते है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

M. A. - II Hindi Semester – IV

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र – चतुर्थ

DSC-15 Pashchatya Kavyashatra

प्रश्नपत्र का नाम: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(Credit- -Theory - 4 Practlcal - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्यनार्थ विषय : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई I अनुकरण एवं विरेचन सिध्दांत Credit-1 Lecture-15

1. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास**
2. अनुकरण सिध्दांत का स्वरूप, प्लेटो और अरस्तु की दृष्टि
3. विरेचन सिध्दांत

इकाई II उदात्त एवं कल्पना सिध्दांत Credit-1 Lecture-15

1. लोंजाइनस के उदात्त **सिध्दांत**
2. उदात्त के साधक और बाधक तत्व
3. कॉलरिज की कल्पना सिध्दांत की भूमिका
4. काव्य कला की उत्पत्ति,
5. कल्पना शब्द का अर्थ, कल्पना के भेद –मुख्य और गौण कल्पना

इकाई III अभिव्यंजनावाद, निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिध्दांत Credit-1 Lecture-15

1. क्रोंचे अभिव्यंजनावाद
2. कला विषयक धारणा,अभिव्यंजना और कला का संबंध
3. टी.एस.इलियट का निर्वैयक्तिकता
4. इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा, परिवर्तित धारणा, व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण
5. वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिध्दांत का स्वरूप

इकाई IV मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद, संप्रेषण सिध्दांत और आलोचना Credit-1 Lecture-15

1. काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, मनोवेगों के दो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन
2. संप्रेषण का स्वरूप और महत्व
3. **आधुनिक पाश्चात्य आलोचना** : आधुनिकता और उत्तर आधुनिकतावाद, संरचना और उत्तर संरचनावाद, अस्तित्ववाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत-डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ-सत्यदेव मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत-ब्रह्मदत्त शर्मा
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा-रामचन्द्र तिवारी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

EquIValent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem. – IV	Name of the New Paper Sem. – IV
.1	HCT 4.2 काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	DSC-15 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

DSE- 4.1 Samkal।n V।marsh (Vruddha V।marsh Evam Alpasankhyank V।marsh)

M.A. - II Hindi Semester- IV

प्रश्नपत्र का नाम :DSE- 4.1- समकालीन विमर्श - वृद्ध एवं अल्पसंख्यक

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना (Introduction)

वर्तमान साहित्य में नये-नये प्रवाह एवं विमर्श का विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। दलित एवं आदिवासी समुदाय साहित्य के माध्यम से अभिव्यक्त हो रहा है। साथ ही समाज ने हाशिये पर रखे किन्नर समुदाय की समस्याएँ साहित्य में दिखाई दे रही है। अपने परिवार का भरण-पोषण करनेवाले माता-पिता जब वृद्ध हो जाते हैं तब बच्चे उनसे दूरी बनाए रखते हैं। बुढ़ापे का सहारा बनने वाले बच्चे ही माता-पिता को बेसहारा कर अपने उत्तरदायित्व को भूल जाते हैं। इस समस्या को प्रेमचंद के समय से वर्तमान साहित्य में देखा जा सकता है। भारत एक बहुभाषी, बहुसंस्कृति, बहुधर्मिय देश होने के साथ ही धर्मनिरपेक्ष देश है। यहां हिंदू, मुसलमान, बौद्ध, जैन, इसाई, सीख आदि समुदाय के लोग सदियों से रहते आ रहे हैं। हिंदू समुदाय को छोड़ बाकी सभी अल्पसंख्यक की श्रेणी में आते हैं। इनकी अपनी-अपनी संस्कृति, आचार-विचार, तत्व है, जो कि हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त होते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज का छात्र कल इस देश का जिम्मेदार नागरीक बनने जा रहा है। इसलिए उसमें सर्व धर्म समभाव एवं विश्वबंधुता की भावना पनपनी चाहिए। साथ ही यह युवा वर्ग अपने मातृ एवं पितृ ऋण को समझे इसी उद्देश्य से 'समकालीन विमर्श' नामक प्रश्नपत्र में वृद्ध एवं अल्पसंख्यक विमर्श को रखा गया है। जिससे कि वर्तमान समय में जो वृद्ध एवं अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याएँ हैं उसमें आनेवाले समय में परिवर्तन हो। प्रस्तुत पाठ्यक्रम इसकी पूर्ति करेगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य: (ObjectIVe of the Course)

1. हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय कराना।
2. वृद्ध विमर्श का परिचय कराना।
3. अल्पसंख्यक विमर्श का परिचय कराना।
4. वृद्ध के प्रति संवेदना निर्माण करना।
5. अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति संवेदना निर्माण करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम: (Course Learning Outcomes)

1. हिंदी उपन्यास साहित्य से परिचित होंगे ।
2. वृद्ध विमर्श से परिचित होंगे ।
3. अल्पसंख्यक विमर्श से परिचित होंगे ।
4. वृद्ध के प्रति संवेदना निर्माण होगी।
5. अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति संवेदना निर्माण होगी।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

M. A. - II Hindi Semester – IV

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र – चतुर्थ

DSE- 4.1 Samkal।n V।marsh (Vruddha V।marsh Evam Alpasankhyank V।marsh)

प्रश्नपत्र का नाम :DSE- 4.1- समकालीन विमर्श (वृद्ध एवं अल्पसंख्यक)

(Credit- -Theory - 4 Pract।cal - 0)

Total Theory Lecture: - 60

पाठ्यपुस्तकः 1. **अंतिम अध्याय-** रामधारी सिंह दिवाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. **काला जल-** गुलशेर खाँ शानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अध्ययनार्थ विषय:

इकाई- 1: वृद्ध विमर्श **Credit-1 Lecture-15**

1. वृद्ध विमर्शः अवधारणा एवं व्याप्ति
2. वृद्ध विमर्शः उद्भव एवं विकास
3. वृद्ध विमर्शः विशेषताएँ

इकाई- 2: उपन्यास- अंतिम अध्याय- रामधारी सिंह दिवाकर **Credit-1 Lecture-15**

1. रामधारी सिंह दिवाकरः व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. अंतिम अध्यायः उपन्यास का तात्विक विवेचन
3. अंतिम अध्यायः उपन्यास की विशेषताएँ
4. अंतिम अध्यायः उपन्यास में चित्रित वृद्ध विमर्श

इकाई- 3: अल्पसंख्यक विमर्श **Credit-1 Lecture-15**

1. अल्पसंख्यक विमर्शः उद्भव एवं विकास
2. अल्पसंख्यक विमर्शः स्वरूप एवं व्याप्ति
3. अल्पसंख्यक विमर्शः विशेषताएँ

इकाई- 4: उपन्यास: काला जल- गुलशेर खाँ शानी **Credit-1 Lecture-15**

1. गुलशेर खाँ शानीः व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. काला जलः उपन्यास का तात्विक विवेचन
3. काला जलः उपन्यास की विशेषताएँ
4. काला जलः उपन्यास में चित्रित अल्पसंख्यक विमर्श

संदर्भ ग्रंथः

1. गोपालराय, उपन्यास की संरचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली- 2010
2. डॉ.ए.एन. तिवारी, समाजशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत, अध्ययन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली- 2011
3. संपा. विनीत कुमार, हिंदी साहित्य के विविध विमर्श, वाद्मय बुक्स, अलीगड़-2014
4. प्रो. श्रीराम शर्मा, समकालीन हिंदी साहित्य विविध विमर्श, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2022
5. पदुमलाल बक्शी, हिंदी साहित्य विमर्श, ई-पुस्तकालय
6. https://youtu.be/7y7D6IVBoTw
7. https://youtu.be/X3ZeeCslYGM
8. https://youtu.be/VeVGP2lJRnO
9.https://www.youtube.com/watch?v=0eW67ZkG8Zl

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

EquIValent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem. – IV	Name of the New Paper Sem. – IV
.1	DSE-4.2 नाटक और रंगमंच	DSE-4.21समकालीन विमर्श (वृद्ध विमर्श एवं अल्पसंख्यक विमर्श
2.	SCT 4.2 दलित एवं आदिवासी साहित्य	DSE-4.21समकालीन विमर्श (वृद्ध विमर्श एवं अल्पसंख्यक विमर्श

DSE- 4.2-Hindi Kathetar Sahitya

M. A. - II Hindi Semester – IV

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य (यात्रा वर्णन एवं संस्मरण)

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना **(Introduction)**

हिंदी साहित्य के आधुनिक काल में पद्य के साथ साथ गद्य साहित्य का विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। गद्य की उपन्यास, नाटक, कहानी, एकांकी आदि विधाओं के साथ ही आत्मकथा, जीवनी, यात्रा वर्णन, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, डायरी आदि विधाओं का भी वर्तमान समय में विकास हो रहा है। इन्हें ही कथेतर साहित्य का नामाभिधान प्राप्त हुआ है।

इस कथेतर साहित्य का संबंध भी मनुष्य की अनुभूतियों और संवेदनाओं से होता है किंतु उसमें कथात्मक साहित्य की तरह कोई कहानी एवं कथावस्तु नहीं होती। कहानी, उपन्यास, नाटक और एकांकी यथार्थ पर आधारित काल्पनिक रचनाएँ होती है किंतु कथेतर साहित्य का ठोस आधार यथार्थ ही होता है। उनमें सृजन का तत्व उस रूप में नहीं दिखाई देता है, जिस रूप में वह कथात्म साहित्य रूपों में दिखाई देता है। मनुष्य भ्रमण एवं प्रकृति प्रेमी होता है। उसे नये-नये क्षेत्र, देश एवं आंचल से संबंधी जानकारी प्राप्त करने की जिजीविषा होती है। यही जिजीविषा जब शब्दबद्ध होकर साहित्यिक रूप धारण करती है तब वह यात्रा वर्णन कहलाती है। साथ ही अपने जीवन में जो भी वैशिष्ट्यपूर्ण महानुभावों से उसका संपर्क आता है तब उस व्यक्ति विशेष की यादों को शब्दबद्ध करता है तब वह रचना संस्मरण कहलाती है। हिंदी साहित्य में यात्रा वर्णन एवं संस्मरण विधा ने चार चाँद लगाने का काम किया है। छात्रों को इस कथेतर साहित्य के अध्ययन से महानुभवों का अनुभव प्राप्त कर जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में सहायक होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective)

1. छात्रों को यात्रा-वर्णन विधा को समझाते हुए उसके उद्भव और विकास से अवगत कराना।
2. छात्रों को सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' द्वारा रचित यात्रा-वर्णन से परिचित कराना।
3. छात्रों को पुष्पा भारती द्वारा रचित संस्मरण 'यादें यादें और यादें' से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Course Learning Outcomes)

1. छात्र यात्रा-वर्णन विधा को समझते हुए उसके उद्भव और विकास से अवगत होंगे ।
2. छात्र सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' द्वारा रचित यात्रा-वर्णन से परिचित होंगे ।
3. छात्र पुष्पा भारती द्वारा रचित संस्मरण 'यादें यादें और यादें' से परिचित होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (Teaching Learning Process)

1. कक्षा व्याख्यान।
2. समूह चर्चा।

M. A. - II Hindi Semester – IV

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र – चतुर्थ

DSE- 4.2-Hindi Kathetar Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम : हिंदी कथेतर साहित्य (यात्रा वर्णन एवं संस्मरण)

(Credit- -Theory - 4 Practıcal - 0)

Total Theory Lecture: - 60

अध्ययनार्थ विषय :

पाठ्यपुस्तकें-

1. अरे यायावर रहेगा याद- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण- 2015

2. यादें, यादे!... और यादें... – पुष्पा भारती, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण- 2015

इकाई : । – हिंदी यात्रा-वर्णन **Credit-1 Lecture-15**

1. हिंदी कथेतर साहित्य
2. हिंदी यात्रा-वर्णन: स्वरूप एवं तत्व
3. हिंदी यात्रा-वर्णन: उद्भव एवं विकास

इकाई : II – अरे यायावर रहेगा याद?- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'Credit-1 Lecture-15

1.सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का साहित्यिक परिचय

2. अरे यायावर रहेगा याद: यात्रा-वर्णन की वस्तुविवेचन

3. अरे यायावर रहेगा याद: में अभिव्यक्त प्रकृति चित्रण

4. अरे यायावर रहेगा याद: शिल्प एर्व उद्देश्य

इकाई – III – संस्मरण की अवधारणा **Credit-1 Lecture-15**

1. संस्मरण: स्वरूप एवं तत्व

2. संस्मरण**:** उद्भव एवं विकास

3. यात्रा-वर्णन और संस्मरण में अंतर

इकाई – IV – यादें, यादे! ...और यादें…- पुष्पा भारती **Credit-1 Lecture-15**

1. पुष्पा भारती का साहित्यिक परिचय

2. यादें, यादे!... और यादें… में संकलित संस्मरण

3. यादें, यादे!... और यादें… संस्मरण में परिवेश एवं चरित्र सृष्टि

4. यादें, यादे!.. और यादें… संस्मरण में भाषाशैली एवं उद्देश्य

संदर्भ ग्रंथ सूची: -

1. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. गद्य के विविध रूप – सं . माजद असद , ग्रंथ अकादमी , नई दिल्ली
3. हिंदी कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग – प्र. सं. दयानिधि मिश्र , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
4. यात्रा साहित्य का उद् भव और विकास – डॉ. सुरेंद्र माथुर, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

5. यात्रा साहित्य का इतिहास- डॉ.दीपक पाटील, प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव, महाराष्ट्र
6. संस्मरण और संस्मरणकार- डॉ. मनोरमा शर्मा, आराधना ब्रदर्स, कानपुर
7. समीक्षा और साहित्य की विधाएँ-डॉ. हरिमोहन, सरिता बुक्स हाउस, दिल्ली
8. साहित्य के रूप- राजमणि शर्मा, ठाकुर प्रसाद संस. वाराणसी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बारह बहुविकल्पी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 में से 4) (12 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए(पूरे पाठ्यक्रम पर) (4 में से 2) (12 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (2 में से 1) (12 अंक)
5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

कुल अंक = 60

EquIValent subject for old syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper Sem. – IV	Name of the New Paper Sem. – IV
.1	SCT4.1 प्रवासी साहित्य	**DSE- 4.2** हिंदी कथेतर साहित्य (यात्रा वर्णन एवं संस्मरण)

RP 4 - Research Project

M. A. - II Hindi Semester – IV

प्रश्नपत्र का नाम : लघु शोध-प्रबंध

With effect from June - 2024

2024 से प्रारंभ

प्रस्तावना **Introduction :**

सैद्धांतिक रूप से प्राप्त जानकारी का प्रयोग छात्र प्रत्यक्ष रूप से शोध परियोजनाओं पर कार्य करते हुए करेंगे। उन्हें साहित्यिक, तुलनात्मक तथा भाषावैज्ञानिक परियोजनाएँ दी जा सकती हैं। परियोजना पूर्ण करते हुए वे अध्यापकों के ज्ञान एवं मार्गदर्शन से लाभान्वित होंगे। साहित्यिक शोध परियोजनाओं के द्वारा छात्रों को शोध की जानकारी तथा निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का कौशल प्राप्त होगा। इससे उपेक्षित विषयया लेखकों पर ध्यान दिया जाता है और साहित्यिक सिद्धांतों को सुरक्षित रखने में सहायता मिलती है। इन परियोजनाओं के द्वारा विभिन्न लेखन शैलियों, विषयों और कहानी कहने के तकनीकों में अंतर्दृष्टि प्राप्त होती है, जो छात्रों को रचनात्मकता की दिशा में प्रोत्साहित करती है। यह साहित्य की समझ बढाती है। अनुसंधानात्मक सोच को गति प्रदान कराती है। साहित्यिक अनुसंधान के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने में सहायता मिलती है और बौद्धिक विकास होता है। यह जटिल विचारों और विविध दृष्टिकोणों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है। साथ ही आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल में संज्ञानात्मक विकास प्रदान करती है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य ObejectIVe of the Course:

1. छात्रों में अनुसंधानात्मक वृत्ति का विकास करना।
2. अनुसंधान के बारे में सैद्धांतिक जानकारी देना।
3. अनुसन्धान की प्रविधि और प्रक्रिया से परिचित करना।
4. विभिन्न अनुसंधान पद्धतियों की जानकारी देना।
7. भाषा कौशल से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम Course Learning Outcomes:

1. अनुसंधानात्मक वृत्ति का विकास होगा।
2. छात्रों को अनुसंधान के बारे में सैद्धांतिक जानकारी मिलेगी।
3. अनुसन्धान की प्रविधि और प्रक्रिया से परिचित होंगे ।
4. विभिन्न अनुसंधान पद्धतियों की जानकारी प्राप्त होगी ।
5. भाषा कौशल से परिचित होंगे ।
6. समस्याओं का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।

शिक्षा विधि Pedagogy:

विश्लेषण विधि, सर्वेक्षण विधि, प्रत्यक्ष कार्य, परियोजना लेखन विधि ।

M. A. - II Hindi Semester – IV

एम्. ए. भाग – 2 हिंदी सत्र –चतुर्थ

RP 3 - Research Project

प्रश्नपत्र का नाम : लघु– शोध प्रबंध

(Credit- -Theory - 0 Practlcal -6)

Total Practlcal Work: - 80Hr

शोध परियोजना लेखन

1. तृतीय सत्र में बनाई गई शोध की रुपरेखा पर शोध-प्रबंध का लेखन करना होगा। पूर्व अनुमति लेकर यहाँ नया विषय भी लिया जा सकता है।
2. पदव्युत्तर कक्षाओं को अध्यापन करनेवाले अध्यापक शोध निर्देशक होंगे। विश्वविद्यालय अनुमति प्राप्त पदव्युत्तर अध्यापक ही शोध निर्देशक होंगे।
3. छात्रों की संख्या के अनुसार सभी अध्यापकों को छात्रों का समान वितरण होगा।
4. शोध परियोजना का परीक्षण एवं मूल्यांकन बाह्य परीक्षक के द्वारा अनिवार्यतः करना होगा। बाह्य परीक्षक अन्य महाविद्यालय से होगा।
5. प्रस्तुत शोध परियोजना पर छात्र को बाह्य परीक्षक के सम्मुख मौखीकि प्रस्तुत करनी होगी ।
6. प्रस्तुति में पीपीटी का प्रयोग करना होगा। साथ ही शोध परियोजना का सारांश प्रस्तुत करना होगा।
7. परियोजना लेखन हेतु 90 अंक और प्रस्तुति हेतु 60 अंक होंगे।
8. किसी एक विषय पर 75-100 पृष्ठों का शोध प्रबंध लेखन अनिवार्य है। इसकी संरचना शोध प्रबंध जैसी होगी।

संदर्भ ग्रंथ :

1.शोध सन्दर्भ - डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल/डॉ. मीना अग्रवाल, हिंदी साहित्य निकेतन,बिजनौर

2.शोध संदर्भ कोश- संपा.प्रो.डॉ.पांडुरंग पाटील, महाराष्ट्र हिंदी परिषद, कोल्हापुर

3.शोध प्रविधि - विनय मोहन शर्मा, नेशनल पेपर बैक्स, दिल्ली

4.तुलनात्मक साहित्य, विश्व संस्कृति और भाषाएँ डॉ. के. सी. सीतालक्ष्मी, अमन प्रकाशन,कानपुर

5.शोध संस्कृति - डॉ. संजय नवले, अमन प्रकाशन,कानपुर

6.अनुसन्धान का विवेचन - डॉ. उदयभानु सिंह

7.शोध और समीक्षा - सुरेशचन्द्र गुप्त, रविन्द्र प्रकाशन, ग्वालियर

8.अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया- एम. एन. गणेशन